६) राष्ट्रीय संगोष्ठी सहभागिता / पंजीकरण फीस :-

* मात्र सह भागिता (सभी के लिए) - रु. ५००/-
* सहभागिता और प्रपत्र प्रकाशन - रु. १०००/-
* दि. १६ जनवरी से २४ जनवरी के लिए - रु. ११००/-
* विद्यार्थी (एम.ए. स्तर) - रु. १००/-

Bank Account Details :-

Account name - **Principal & HOD, Hindi, Pratap College, Amalner**
Account No. - **2120482379**
Bank Name - **Central Bank of India (CBI)**
Branch - **Amalner**
IFSC - **CBIN0282348**

संगोष्ठी-स्थल पर (सुबह ०८ से १० तक) पंजीकरण (स्पॉट रजिस्ट्रेशन) की सुविधा होगी ।

सभी महानुभावों से पुनश्च निवेदन हैं कि इस संगोष्ठी में अपनी बहुमूल्य सहभागिता से इस राष्ट्रीय आयोजन को सफल एवं स्मरणीय बनाइये।

विशिष्ठ अतिथि वक्तव्य

मा. प्रो. डॉ. संदीप रणभिरकर
हिंदी विभागाध्यक्ष एवं उपनिदेशक, अकादमिक
कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कडगंची (कर्नाटक)

मा. प्रो. डॉ. भगवान गव्हाडे
हिंदी विभाग,
हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, गाचीबोवली, हैदराबाद (तेलंगाना)

स्नेहांकीत

...संरक्षक...
मा. खान्देश शिक्षण मंडल, अमलनेर, महाराष्ट्र

...मुख्य आयोजक...
प्रो. डॉ. हर्षवर्धन जाधव
(प्र. प्राचार्य, प्रताप स्वशासी महाविद्यालय, अमलनेर)

प्रो. डॉ. शशिकांत सोनवणे 'सावन'
(मुख्य संयोजक, राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी तथा हिंदी विभागाध्यक्ष)
मो. ९४२३१८६११५

प्रो. डॉ. कुबेर कुमावत
(मो. ९८२३६६०९०३)

प्रो. डॉ. कल्पना पाटील
(मो. ८६६८२९२४६३)

स. प्रा. कैलाश बागुल
(मो. ९८३४९७१७८९)

स. प्रा किशोर सोनवणे
(मो. ९८३४७५०५५९)

(सहसंयोजक, राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी-२०२६)
प्रताप स्वशासी महाविद्यालय, अमलनेर, महाराष्ट्र

"Affiliated to K. B. C. North Maharashtra University, Jalgaon"
"NAAC Reaccredited A+ Grade with (CGPA 3.52) (Cycle III rd),
UGC Honored College with Potential For excellence (CPE)"

क. ब. चौ. उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाव से संलग्न
एवं खान्देश शिक्षण मंडल, अमलनेर व्दारा संचलित

प्रताप स्वशासी महाविद्यालय,
अमलनेर, महाराष्ट्र के
स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग,

- व्दारा आयोजित और -
(राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रुसा) व्दारा वित्तपोषित)

राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी

संवैधानिक भारत का अस्मितामूलक विमर्शकेन्द्री हिंदी साहित्य

An Identity Besed & Discorative Hindi Literature of Constitutional India

*** शनिवार, ता. २४ जनवरी २०२६ ***

संगोष्ठी स्थल
पूज्य सानेगुरुजी सभागृह, प्रताप महाविद्यालय, अमलनेर

नववर्ष की शुभकामनाओं समवेत...

।। सस्नेह निमंत्रण ।।

प्रति,
मा. प्राचार्य / संचालक / हिंदी विभागाध्यक्ष,

हिंदी परिवार के सभी प्रबुद्ध साथियों ! प्रणाम, नमस्कार ।

'राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी'

'संवैधानिक भारत का अस्मितामूलक विमर्शकेन्द्री हिंदी साहित्य'

के एक दिवसीय आयोजन में आप सभी सस्नेह सादर आमंत्रित हैं।
शनिवार, ता. २४ जनवरी २०२६ को संपन्न होनेवाली यह संगोष्ठी आपकी बहुमूल्य उपस्थिति, शोधपरक दृष्टि एवं मौलिक विचारों से इस संगोष्ठी को सफल बनाईये, यही आप सभी से हिंदी विभाग, प्रताप महाविद्यालय द्वारा विनम्र निवेदन हैं !

संगोष्ठी विषयक आवश्यक जानकारी :-

१) संगोष्ठी में पंजीकरण की गुगल लिंक
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdIORcqaqGQWg0qZ9aq4PxFuXUW4SoK7LSCKbQadxViUzoVZw/formResponse?pli=1

२) गणतंत्रीय एवं संवैधानिक भारत के अमृत महोत्सवी वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्र, राष्ट्रीय संविधान तथा राष्ट्रीय हिंदी साहित्य के सम्मान में इस संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

३) सन १८५० के पश्चात लिखे गये हिंदी साहित्य की अस्मितामूलक-विमर्षकेन्द्री सभी विधाओं पर तथा इन की रचनाओं पर शोधालेख/समीक्षा/चिंतकपरक लेख आप लिख सकते हैं।

४) अपने प्रपत्र प्रस्तुति में भारतीय संवैधानिक मूल्य, मानवाधिकार, व्यक्ति-समुदाय शोषण, सामाजिक जीवनसंघर्ष, जैसे संदर्भों को केंद्र में रखकर, हिंदी के अस्मितामूलक और विमर्शकेन्द्री साहित्य तथा साहित्य-कृतियों का विश्लेषण/अनुसंधान हो ।

जैसे : ● अस्मितामूलक हिंदी साहित्य, ● अस्मितामूलक स्त्री साहित्य, ● अस्मितामुलक आदिवासी/जनजातीय साहित्य, ● अस्मितामूलक अम्बेडकरवादी/दलित साहित्य, ● अस्मितामूलक राष्ट्रीय/सांस्कृतिक साहित्य, ● विमर्षकेन्द्री हिंदी साहित्य, ● किन्नर विमर्श, ● पर्यावरण विमर्श, ● कृषक विमर्श, ● श्रमिक विमर्श, ● महानगरीय विमर्श, ● अल्पसंख्यक विमर्श, ● वृद्ध विमर्श

५) यह संगोष्ठी हिंदी विषय के सभी प्राध्यापको, अभ्यासको, शोधार्थियो, समीक्षको, तत्वचिंतको, स्नातकोत्तर छात्रों एवं हिंदी साहित्यप्रेमियों के लिए आयोजित की है।

६) देश की राजधानी नईदिल्ली से प्रकाशित होनेवाली अंतर्राष्ट्रीय, पिअर रिव्युड शोधपत्रिका (इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट जर्नल) इम्पैक्ट फैक्टर ६.३५-में प्राप्त शोधालेख/समीक्षा/चिंतनपरक लेख प्रकाशित होंगे। संगोष्ठी के दिन सहभागियों को जर्नल की कॉपी दी जाएगी। इसलिए दि. १५ जनवरी २०२६ तक अपने प्रपत्र कृतीदेव/मंगल फॉन्ट में वर्ड और पीडीएफ फाइल्स में **hindivibhagpratapcollegegmail.com** पर अवश्य भिजवाए ।

* १६ से २४ जनवरी २०२६ की कालावधी में प्राप्त प्रपत्र/शोधनिबंध इसी जर्नल के भाग-२ में प्रकाशित किये जायेंगे। इसकी हार्ड कॉपी आवासीय पतेपर डाक व्दारा ५ फरवरी तक पहूँचायी जायेगी । इसके लिये रु. १००/- स्वतंत्र डाक खर्च (कुल ११००/- रु. का पंजीयन करना होगा ।)

७) मुख्य विषय संवैधानिक भारत का अस्मितामूलक एवं विमर्शकेन्द्री हिंदी साहित्य के अंतर्गत उपविषय (शोधालेख हेतू प्रतिनिधि स्वरूप में) -

१) अस्मितामूलक साहित्य की अवधारणा एवं
२) अस्मितामूलक हिंदी साहित्य: विविध आयाम
३) समाज एवं संस्कृति की जड़ेः अस्मिता स्वरूप
४) सामाहिक समन्वयात्मक सांस्कृतिक धरोहर : संवैधानिक भारत
५) चिंतन के परिप्रेक्ष्य में अस्मितामूलक हिंदी साहित्य
६) वैचारिकी का नवउद्गाता: विमर्शकेन्द्री साहित्य
७) विमर्शकेन्द्री साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
८) अस्मितामूलक हिंदी साहित्य की विमर्शकेन्द्री यात्रा
९) अस्मितामूलक हिंदी साहित्य एवं जनआंदोलन
१०) संवैधानिक अधिकारो की फलश्रुति: अस्मितामुलक साहित्य सृजन
११) अस्तित्व, अस्मिता, अधिकार एवं विमर्श अंतःस्थ सहसंबध
१२) संवैधानिक भारत मे हाशिये के समुदायः वर्तमान परिदृश्य
१३) जनआंदोलन का आईनाः अस्मितामूलक साहित्य
१४) विवंचनाओ एवं वैचारिकी को उदघाटित करता विमर्शकेन्द्री साहित्य
१५) चिंतनपरकता की परिदृश्य में विमर्शकेन्द्री हिंदी साहित्य
१६) अस्मितामूलक आदिवासी हिंदी कथा साहित्य हिदी उपन्यासों में अभिव्यक्त पर्यावरण विमर्श
१७) हिंदी नाटकों में चित्रित वृद्ध विमर्श
१८) हिंदी पत्रिकाओं में चित्रित किन्नर विमर्श
१९) हिंदी कथा साहित्य में अभिव्यक्त किसान-श्रमिक विमर्श
२०) संवैधानिक भारत के हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय-सांस्कृतिक अस्मिता
२१) हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श
२२) हिंदी साहित्य निर्माण में महिला साहित्यकारों का योगदान
२३) हिंदी साहित्य में मुस्लिम महिला साहित्यकारों का योगदान
२४) चिंतन के परिप्रेक्ष्य में अस्मितामुलक हिंदी साहित्य
२५) भारतीय संविधान की उद्देश्यपूर्ति में हिंदी साहित्य का योगदान
२६) हिंदी का अस्मिताममूल क आलोचना साहित्यः स्वरूप तथा बदलते आयाम
२७) भारतीय संविधान और स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित हिंदी साहित्य।
२८) स्वतंत्रतापूर्व और स्वातंत्र्योत्तर हिंदी का अस्मितामूलक साहित्य : स्वरूप विमर्श ।
२९) इक्कीसवीं शती का विमर्षमूलक हिंदी साहित्यः बदलते परिप्रेक्ष्य
३०) कृष्णा सोबती पुरस्कृत रचना 'मित्रो मरजानी' में चित्रित स्त्री विमर्श
३२) राही मासूम रजा के उपन्यास 'आधा गाँव' में अभिव्यक्त सामाजिक अस्मिता
३३) उदय प्रकाश की चर्चित कहानी 'पिली छत्री वाली लडकी' में चित्रित नारी अस्मिता के संदर्भ
३४) शिवानी की औपन्यासिक कृति नीला चांद में परिलक्षित नारी चेतना
३५) अम्बेडकरवादी हिंदी आत्मकथनों में अभिव्यक्त संवैधानिक चेतना एवं जीवनसंघर्ष

सभी प्रतिभागी मुख्य शोध विषय को केंद्र में रखकर, अपने पसंदीदा शोधविषय पर प्रपत्र तैयार कर, भिजवा सकते हैं। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के सर्वोकृष्ट चार शोधनिबंधो कों संगोष्टी में पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे ।